

[This question paper contains 4 printed pages.]

2070

Your Roll No. ....

**LL.B. / I Term**

**D**

Paper LB-101 : ELEMENTS OF INDIAN  
LEGAL SYSTEM

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

*(Write your Roll No. on the top immediately  
on receipt of this question paper.)*

*Note :- Answers may be written either in English or in Hindi;  
but the same medium should be used throughout the  
paper.*

*टिप्पणी :- इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा  
में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

*Attempt any **Five** questions.*

*All questions carry equal marks.*

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

*सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. Discuss the trilogy of command, duty and sanction implicit in Austin's conception of law. How far it is applicable in modern welfare concept of state ?

P.T.O.

ऑस्टिन की विधि-संकल्पना में अन्तर्निहित त्रयी-कमान, कर्त्तव्य व अनुशास्ति-का विवेचन कीजिए। राज्य की आधुनिक कल्याणकारी संकल्पना पर यह किस सीमा तक लागू होती है ?

2. It is difficult to give the concept of 'Rule of Law' a universally acceptable ideological content, which would also be true for all times. Comment and formulate the content of Rule of Law for contemporary India which would be suitable for in social, cultural and political in lieu.

'विधिसम्मत शासन' की संकल्पना को सर्वत्र स्वीकार्य वैचारिक अन्तर्वस्तु को ऐसा स्वरूप प्रदान करना कठिन है जो सर्वदा सत्य बनी रहे।' टिप्पणी लिखते हुए समसामयिक भारत हेतु विधिसम्मत शासन की अन्तर्वस्तु को सूत्रबद्ध कीजिए जो सामाजिक सांस्कृतिक और राजनीतिक वातावरण हेतु उपयुक्त हो।

3. "Justice to poor at the door-step is the dream of common man." Discuss it in the light of establishment & powers exercised by Gram Nyayalayas and Lok Adalats.

"आम आदमी का स्वप्न है- गरीब के द्वार तक न्याय।" ग्राम न्यायालयों तथा लोक अदालतों द्वारा प्रयुक्त शक्ति प्रतिष्ठान को ध्यान में रखते हुए विवेचन कीजिए।

4. "A precedent is a judicial decision which contains in itself a principle. The underlying principle which forms

its authoritative element is often termed as Ratio decidendi." Comment and discuss the role of precedent as a source of law.

“पूर्वनिर्णय एक न्यायिक विनिश्चय है जिसमें स्वयं एक सिद्धान्त अन्तर्विष्ट रहता है। इसके मूल में रहने वाले सिद्धान्त को, जोकि इसके प्रामाणिक तत्व को रचता है, प्रायः विनिश्चय-आधार कहा जाता है।” विधि के स्रोत के रूप में पूर्वनिर्णय की भूमिका का विवेचन करते हुए एक टिप्पणी लिखिए।

5. Bring out the Jurisdiction of the Supreme Court of Calcutta established in 1774. To what extent, the extended of the court created problems for the than company's government.

1774 में स्थापित कलकत्ता के उच्चतम न्यायालय की अधिकारिता का उल्लेख कीजिए। उक्त न्यायालय की विस्तारित अधिकारिता ने कम्पनी की तत्कालीन सरकार हेतु किस सीमा तक समस्याएं पैदा की थीं।

6. The Judicial Plan introduced by Lord Cornwallis envisaged a divorce/division of Revenue and Judicial functions and their resting in distinct functionaries. Elucidate.

लार्ड कॉर्नवालिस द्वारा प्रारंभ की गई न्यायिक योजना में रेवेन्यू तथा न्यायिक प्रकार्यों में विच्छेद / विभाजन करना और उनको सुभिन्न पदाधिकारियों में निहित करना आदि की प्रकल्पना की गई थी। विस्तार से समझाइएगा।

7. Parliament in 1961, enacted the Advocate's Act to amend and consolidate the law relating to legal practitioners. Trace historically the causes and conditions which necessitated this law.

1961 में संसद ने विधिक व्यवसायियों से सम्बन्धित विधि को संशोधित तथा संकलित करने के लिए अधिवक्ता अधिनियम का अधिनियम किया था। उन कारणों तथा स्थितियों का ऐतिहासिक रूप से उल्लेख कीजिए जिन्होंने इस विधि को जरूरी बनाया था।

8. Attempt any **two** of the following :

- (a) Salient features of charter of 1726
- (b) Writ jurisdiction of High Court under the Act of 1861
- (c) Essentials of a valid custom
- (d) Difference between civil law system and common law system

निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए :

- (क) 1726 के चार्टर की प्रमुख विशेषताएँ
- (ख) 1861 के अधिनियम, के अन्तर्गत उच्च न्यायालय की रिट अधिकारिता
- (ग) विधिमान्य रूढ़ि के आवश्यक तत्व
- (घ) सिविल विधि प्रणाली और कॉमन विधि प्रणाली के बीच अन्तर